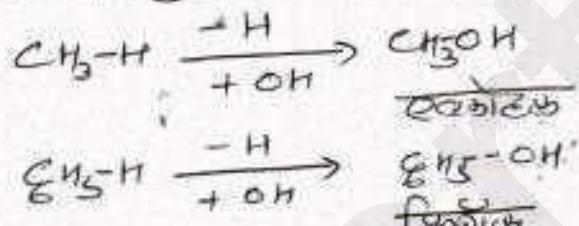


विषय - रसायन विज्ञान

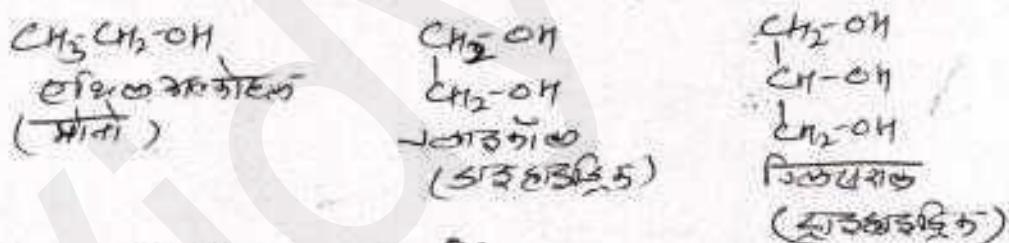
एल्कोहॉल एवं फिल्हाल

एल्कॉहॉल का ताड़कांमी प्रयुक्ति एल्कोहॉल का उत्पादन के लिए जबकि बैजीत का ताड़कांमी प्रयुक्ति फिल्हाल का उत्पादन करता है।

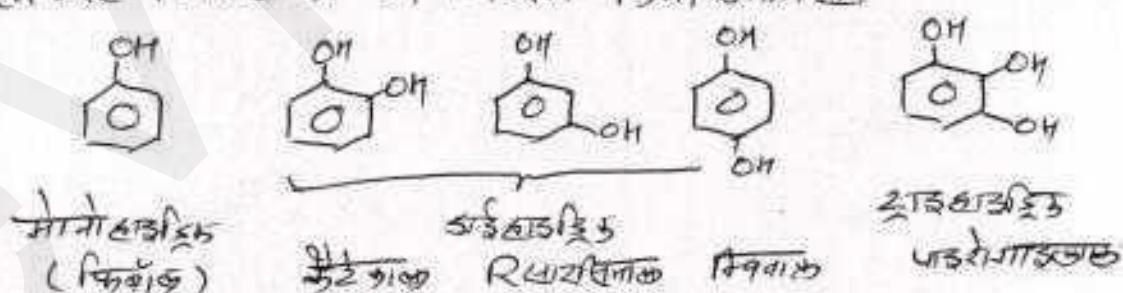


वर्णन :- 1. ताड़कांमी वास्तु की संरचना के आधार एल्कोहॉल में, एवं इनमें अल्कोहॉल में विभिन्नताओं का ज्ञान है।

ताड़कांमी वास्तु के संरचना के आधार एल्कोहॉल में, एवं इनमें अल्कोहॉल में विभिन्नताओं का ज्ञान है।

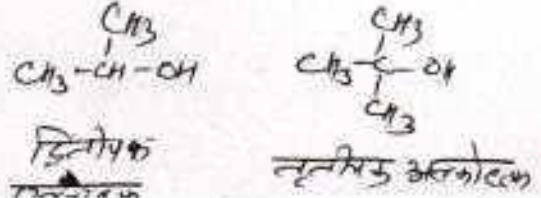
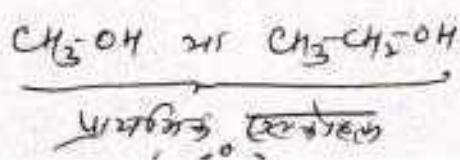


इनी तरह फिल्हाल की जीवीकरण विधा जाता है।



2. sp^3 कार्बन के आधार पर परिचय।

जैसे sp^3 कार्बन (एल्कोहॉल) प्राथमिक होता है एवं एल्कोहॉल प्रयोग से उत्पन्न करता है। यदि त्रितीय कार्बन हो तो तेसीपर उत्पन्न होता है तथा तृतीय कार्बन हो तो तृतीय उत्पन्न करता है।

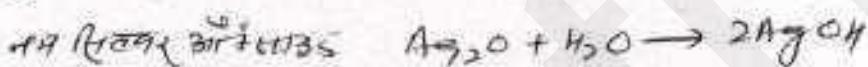
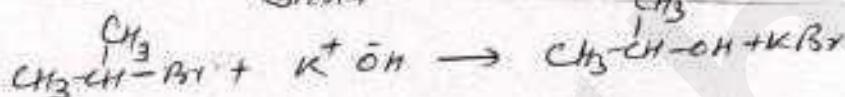


प्रतीक्षा करने वाले अधिकारी की दस्तावेज़ निरूपण

एल्कोहल बनाने की विधियाँ

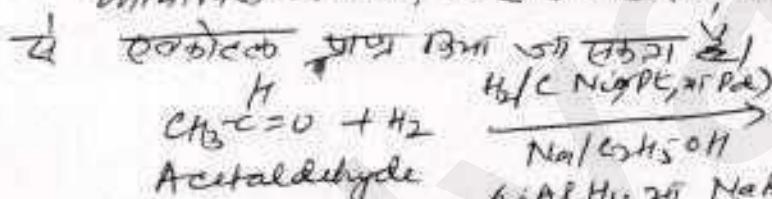
(1) एल्कोहल के जल उपचार :-

जब एल्कोहल को जलीय KOH, या NaOH से दूषित हो जाता है तो एल्कोहल पर्याप्त हो जाता है।



2. एल्कोहल अमिनो के उपचार :-

आमोनिक अमिनो, जैव अमिनो, फॉर्माइल, एटेले के उपचार

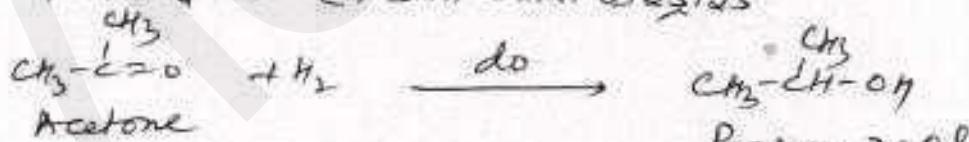


Ethyl Alcohol

महत्व ! - अपरिक्रमित अमिनो में से कोई CO अंगुक्त भी लिया जाता है।

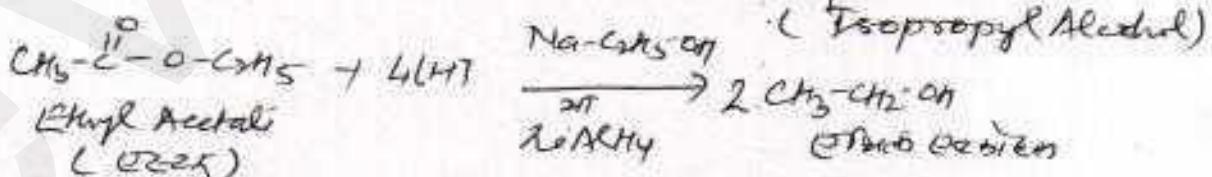
$\text{LiAlH}_4 \rightarrow$ नियमित अवश्यकता नहीं

$\text{NaBH}_4 \rightarrow$ नियमित अवश्यकता नहीं



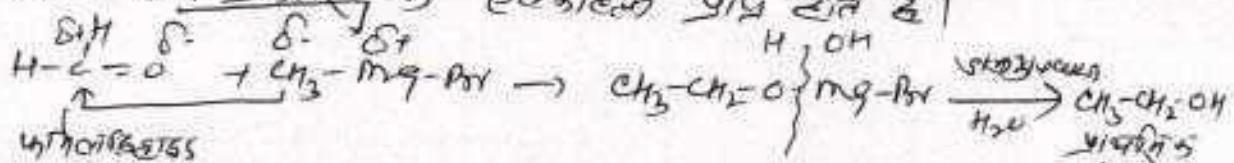
Propan-2-ol

(Isopropyl Alcohol)

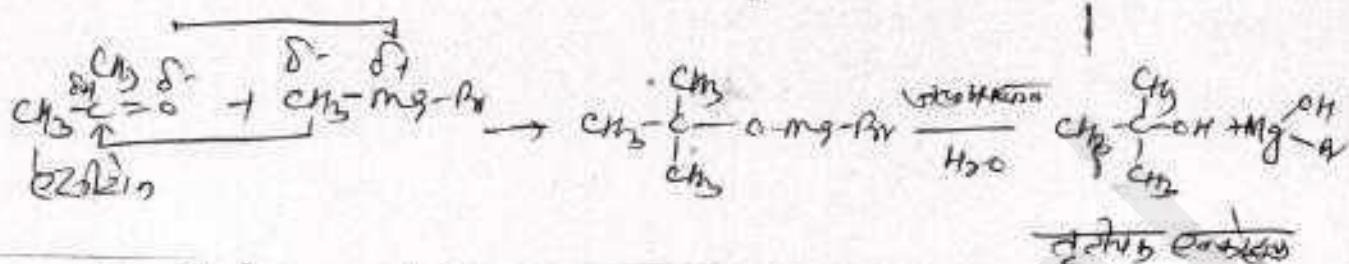
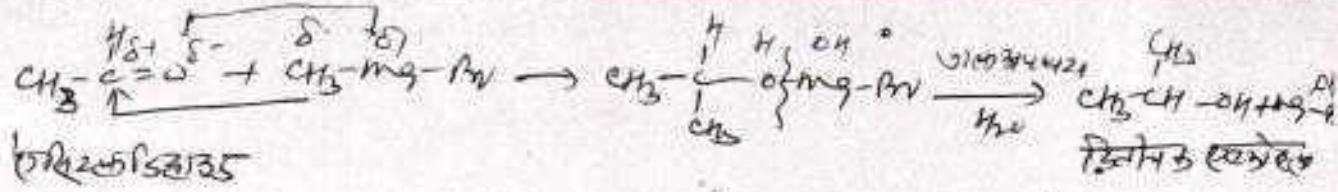


Propan-2-ol

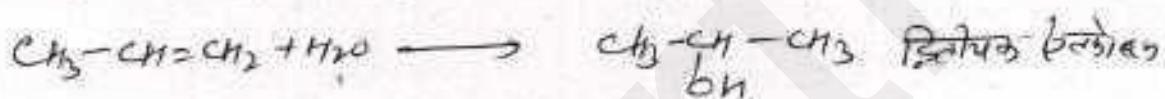
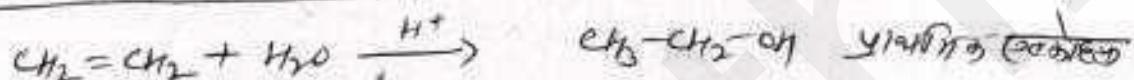
3. ग्राहण अवश्यकीय होता ! - जब अपरिक्रमित अमिनो की Aldehydes या ketones से अवश्यक उत्तराधि देती है तो उत्तराधि विस्थापन देती है तो नीतों प्रकार के उल्कोल पर्याप्त होते हैं।



Mg-Br
उत्तराधि
उल्कोल
उत्तराधि

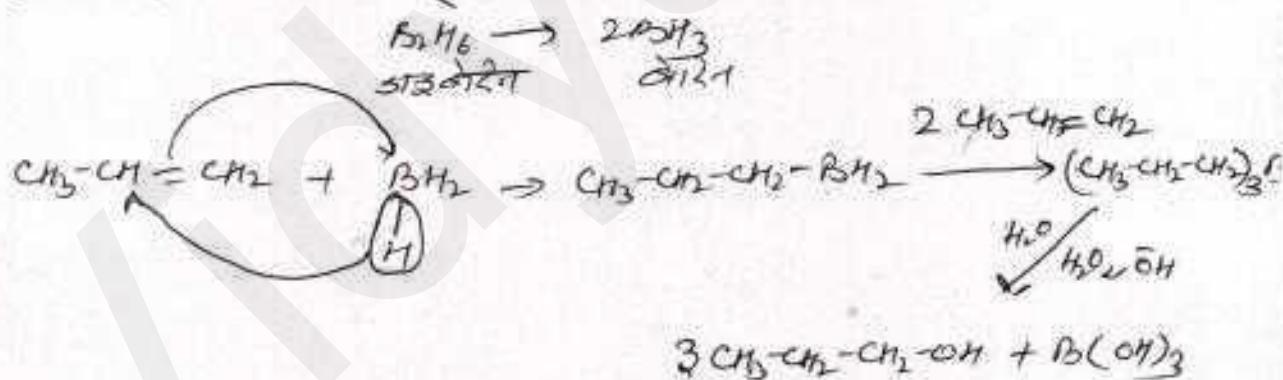


4. बैक्टीरिया द्वारा बनाये गये जावा

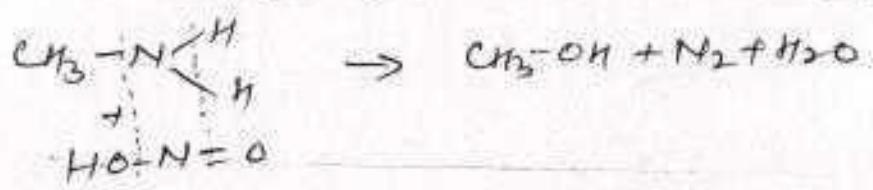
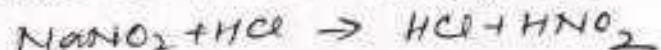


5. बोर्डो कोर्डोन आमतौर पर जावा

जब चूल्ही एवं कोर्डोन (B_2H_6) के अभिक्रिया द्वारा ऐसा जावा उत्पन्न होता है तो इसका उत्तराधि इसको आगे ज्ञातीय व्यवहार से बर्मरेस (मॉर्फिन) के अभिक्रिया द्वारा परे सकता है।

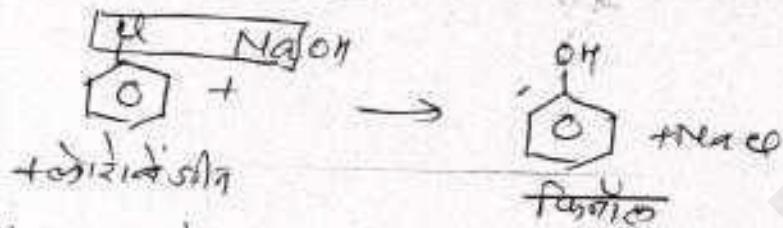


6. उत्तराधि → जब लिंग्युल की नायट्रो ग्राइड (NaNO_2+HCl) के अभिक्रिया द्वारा इसे उत्तराधि प्राप्त किया जाता है।



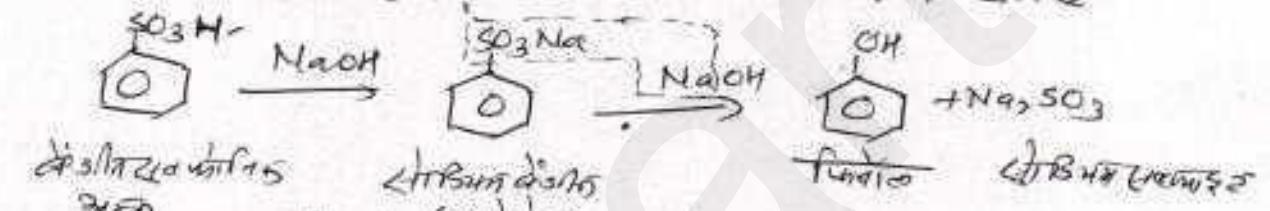
फिल्ड जलाने की सामग्रियां

(i) फिल्ड जलाने की सामग्रियां :- फिल्ड जलाने के लिए NaOH की जलीय विधि के द्वारा 3-मोलर लकड़ी 573 K-में 34 घंटा तक रखा जाता है। फिल्ड जलाने की प्राप्त छोता है।



(ii) सेंट्रील व्हॉलिटिक अन्नपद्म

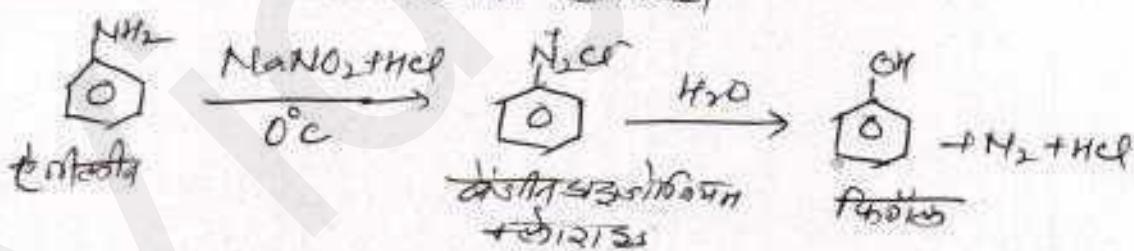
सेंट्रील व्हॉलिटिक अन्नपद्म के लिए इसे उत्पादित करने के लिए लोडिंग करना जलाने की फिल्ड जलाने की प्राप्त छोता है।



- 50% घरेलू औषधि के लिए इसे उत्पादित करने की छोता है। इस विधि का लाभ यह है कि इसमें आजुड़ी

(iii) सेंट्रील एवं जोडिमन लेपन :-

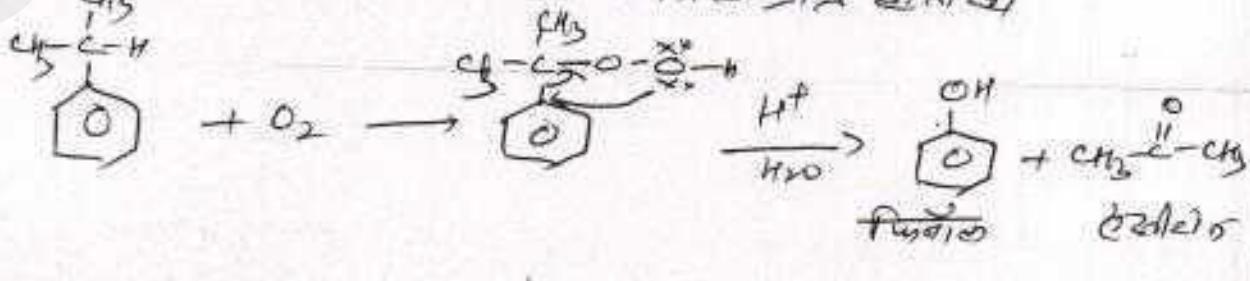
ऐलिक एवं सेंट्रील एवं जोडिमन लेपन में लदलते हैं। यह उपकार उत्पादन करते हैं तो फिल्ड जलाने की प्राप्त छोता है।



(iv) फ्लूरीन :- यह फ्लूरीन (आठलाखाप्रति किलो) की

छोता ही उपचारित आवश्यकता उत्पादन जाता है।

+ फ्लूरीन छात्तीपर्याप्त उत्पादन है। अब इसका H₂S04 से उपचार है। इस उपचार के द्वारा छोता ही फिल्ड जलाने की प्राप्त छोता है।



गुण (Properties)

1. गोपनीयता (Physical Properties) विवरण

- (i) स्थिर अवस्था - कठ स्थिरता लाले हैं इसके कारण नाने हड्डियां बंदहोते, पायेहोते सोने की तरह ठासहोते।
- (ii) चम्पाएँ ^{अमर्ग} - इसाने अमर्गार काले हड्डी करते, उत्तेजित होते हैं और जीव नुकसान से डरका अवधारित उमादा होता है।
- (iii) कार्बन - कठके कार्बनों के अध्य अल्टरेंट वाइट्रोजर वध जाता है और डाक्टेंसे होता है।
- शुष्कता > फ्लॉट > लूटीमु ग्लॉबल
- कार्बन - H-bond (मूलों के बीच) करते हैं जबकि पहुँचना नहीं।
- (iv) विलेपन - कठ स्थिरता लाले हैं इसके विलेपन (H₂O) विलेपन करते हैं और अपनी जीव नुकसान के लिए विलेपन में कठी जाती है।
- (v) कार्बन - H-bond करते हैं जबकि पहुँचना नहीं।

विलेपन

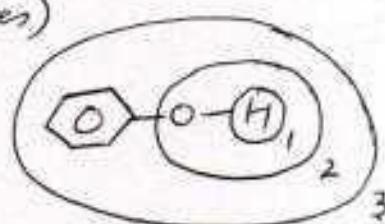
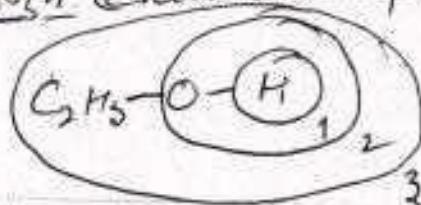
- (i) स्थिर अवस्था (Physical State) - फ्लॉट रंगहोते अव्याप्ति पर्याप्त नहीं होता है।

- (ii) विलेपन (Solvability) - एकोल के विपरीत फ्लॉट का साझा में छोटी हो जाता है। फ्लॉट कार्बनिक विलेपन नहीं, एकोल, वैपर में विलेपन होता है।

- (iii) चम्पाएँ - अमर्ग इसाने अमर्गार काले हैं और इनके वाइट्रोजर के तुलना में इसका अवधारित अमादा होता है।
- कार्बन - अल्टरेंट H-bonding.

— * —

2. रासायनिकता (Chemical Properties)

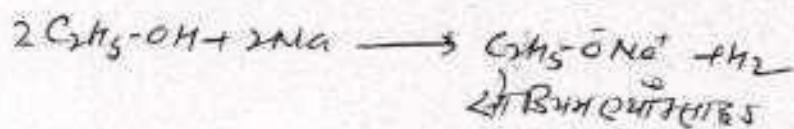


इनका अवधार है द्वितीय अमिनोंगर

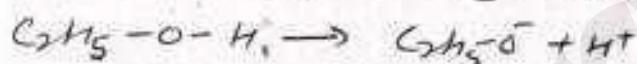
- (i) द्वितीय अमिनोंगर (CH₃-OH) का विलेपन होता है।
- (ii) द्वितीय अमिनोंगर विलेपन R₂NH का विलेपन होता है।
- (iii) द्वितीय अमिनोंगर विलेपन उत्तेज जैव जीव जाता है।

आर्गेनिटिक एसिड्स - O ही कार्बोक्यूलर घोटाहू

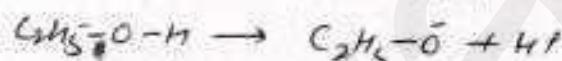
1. अस्ट्रीयुन - दबावात त्वचा (weak) अम्ल की तरह वर्षा करता है जहाँ व्यास व आर्गेनिक तथा H_2 परमाणुओं करता है।



हेप्टेन दबात अस्ट्रीयुन जाते ही त्वचा व्यास की अविभिन्नता व वर्षा करता है तुलनात्मक रूप से जहाँ अस्ट्रीयुन प्रदृष्टि करता है, अहं जलीय विभूति में वह H^+ तुलनात्मक है।



प्र२१ - दबावात वाष्ठी व त्वचा - देखते हैं।



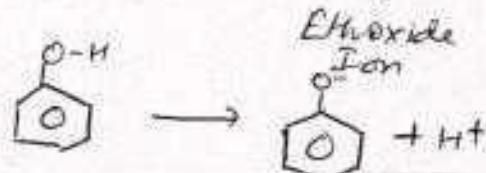
प्र२२ - एथिल एसेटेट में वाष्ठी (H_2O) के H की ताकि एथिल (एथेन (C_2H_2)) C_2H_5 के अलाइन पूर्ववर्ती (+I) के बाल O-H के विपरीत दिशावाले विवरण देता है। विवरण O-H के विपरीत दिशावाले मात्र (strong) है जानकारी। एथिल एसेटेट में H वर्षा की तरफ व्यास व्यापक रूप से होता है। अहं एथिल वाष्ठी (H_2O) के दबावात अस्ट्रीयुन है।

प्र२३ - एथेनी एसेटेट के अस्ट्रीयुन वाष्ठी के विपरीत विवरण देता है।

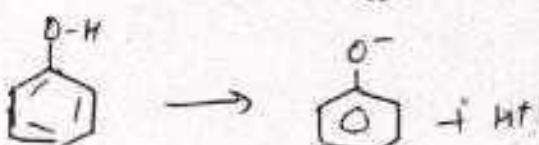
प्र२४ - एथिल एसेटेट व व्यास की विवरण देता है।

प्र२५ - फिल्म एसेटेट के व्यास की विवरण देता है।

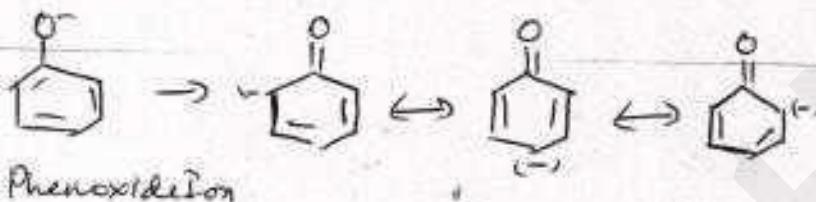
प्र२६ -



विलेपन में देखते ही अस्ट्रीयुन देता है। ऐसा, दूध विलेपन अस्ट्रीयुनी एवं व्यास की विवरण देता है। अब विलेपन विलेपन अस्ट्रीयुनी एवं व्यास की विवरण देता है। ऐसा अस्ट्रीयुनी एवं व्यास की विवरण देता है। अस्ट्रीयुनी एवं व्यास की विवरण देता है। अस्ट्रीयुनी एवं व्यास की विवरण देता है।



Phenol Phenoxy Ion

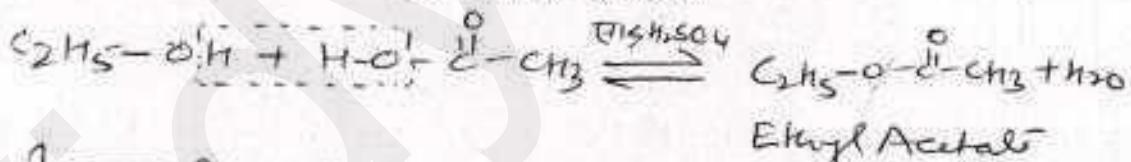


Phenoxy Ion

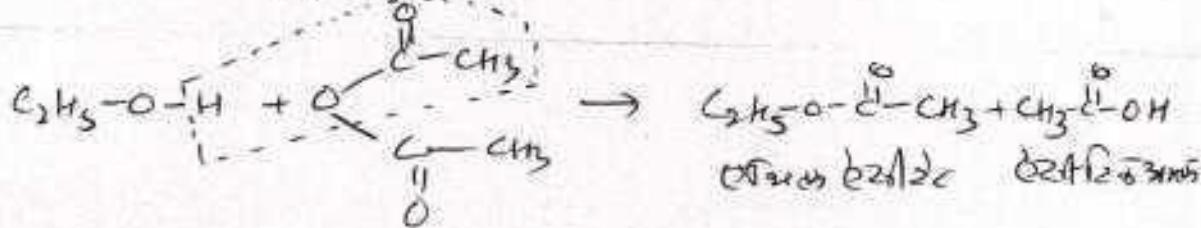
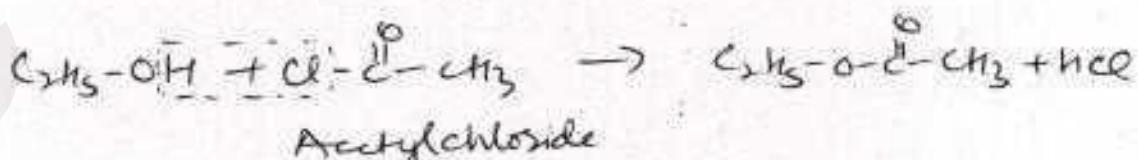
$\text{C}_2\text{H}_5-\ddot{\text{O}}^- \rightarrow \text{CH}_3\text{COO}^-$ यह अनुप्राप्त घटना संभव नहीं होती।

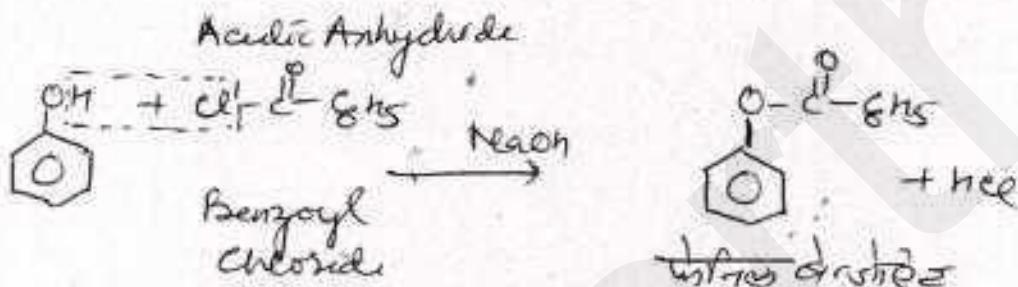
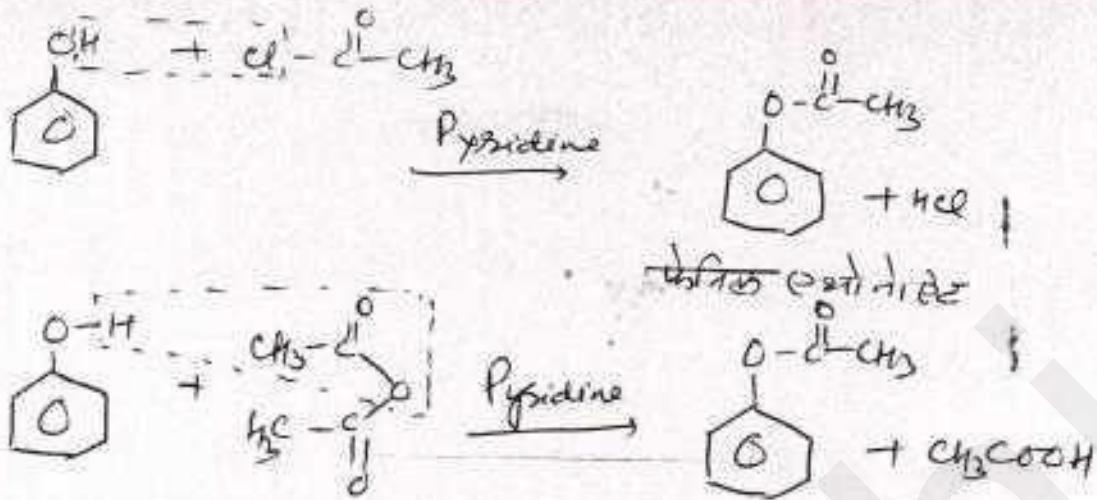
लेकिन इसके एकोल द्वे प्रकार लगते हैं।

१. ईस्टरीकरण (Esterification) :- एकोल सामान्यतः आ और HCl की उपस्थिति में, ग्लोबिन विशेषज्ञ जाकर इनमें से एक H₂SO₄ प्रत्येक द्वारा तभी निर्भावक नहीं होता। इसके बाद अनियन्त्रित रूप से इसका उत्पादन होता है।



३. एस्यलीकरण (Acetylation) :- जब अल्कोहल तभी फिल्म, प्रदूषित या अवैधिक उपयोग की उपस्थिति में एकोल को उत्पादन करता है तो वह अनियन्त्रित रूप से अनियन्त्रित रूप से उत्पादन होता है। यह अनियन्त्रित रूप से उत्पादन की विधि यह है - $\text{OH}(\text{मूल}) + \text{H}^+ \rightarrow \text{H}_2\text{O}$ एवं $\text{C}_2\text{H}_5-\text{Cl} \rightarrow \text{C}_2\text{H}_5-\text{OH}$ आ जाता है।

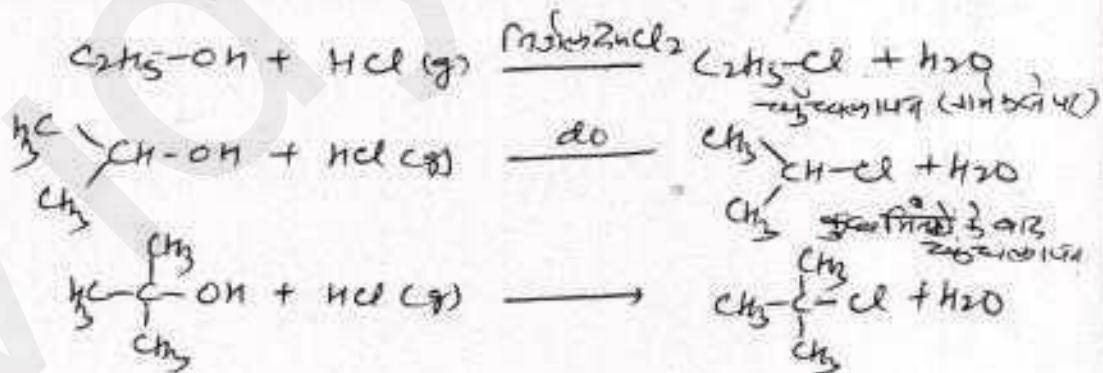




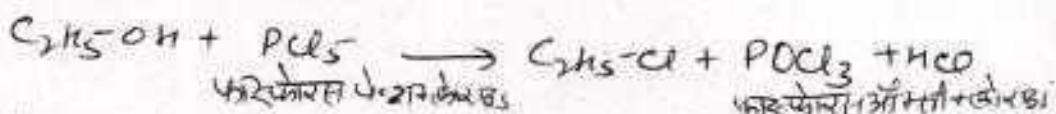
सेली अमिक्रिया के द्वारा C₂H₅OH का बिल्डिंग होता है।

(1) क्लोरोजन अक्सेर द्वारा अमिक्रिया (लुकास टेस्ट)
प्रयुक्ति अमिक्रिया = (त्रिजल्य ZnCl₂ + HCl)

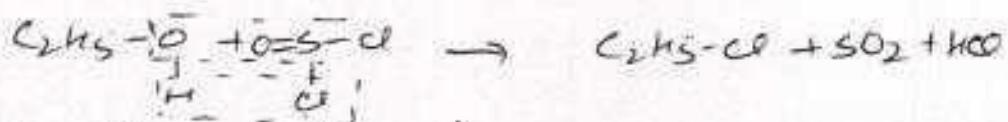
फिरोल नहीं अमिक्रिया नहीं होता है। + प्रोत्त पर हड्डक भारत है।



2. PdS / PCl₃ द्वारा अमिक्रिया ट्रिम (Immediately)



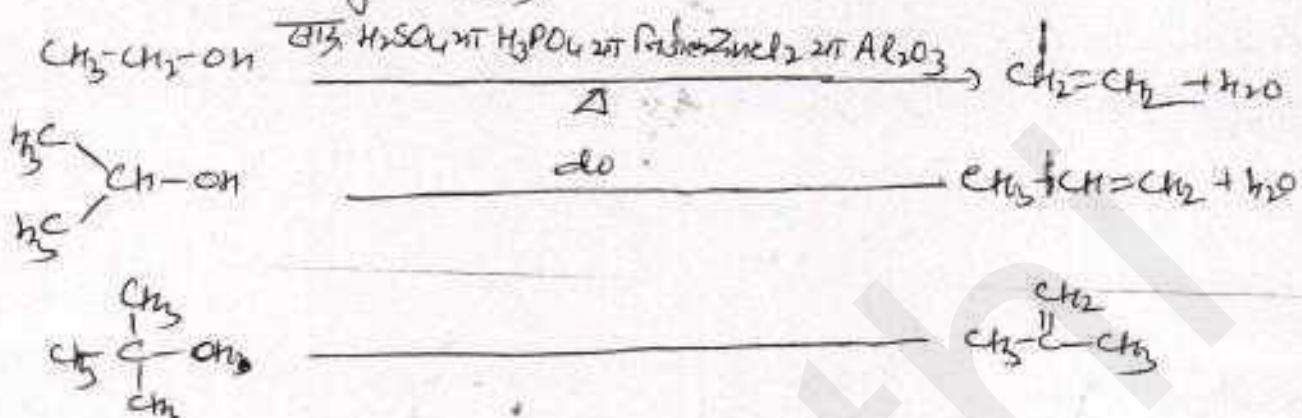
फिरोल अद्धर की गति में अक्सेर अमिक्रिया होती है।



फिरोल पर अमिक्रिया नहीं होती। अमिक्रिया + अमिक्रिया

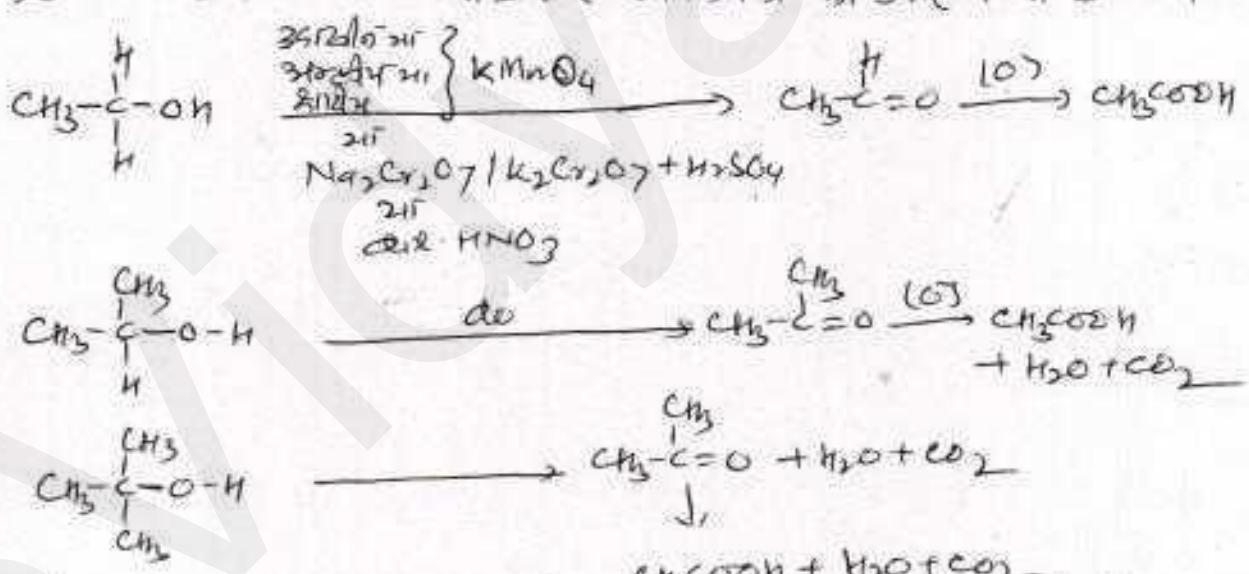
અનુભવીકરણ કરતે હાજરી આપાડતો હૈ

1. દિહ્યેડ્રેશન (Dehydration)

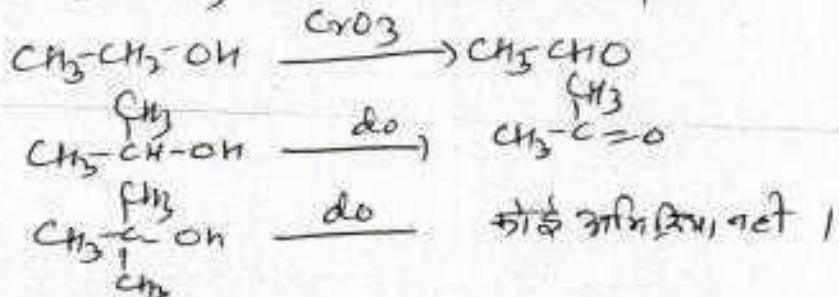


બાસ્ટિન્ગ (Blasting) \Rightarrow Tertiary \Rightarrow Secondary \Rightarrow Primary

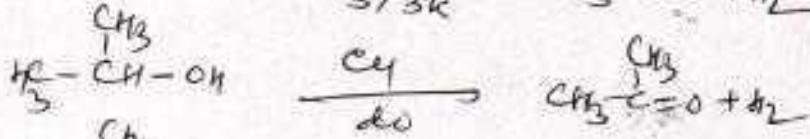
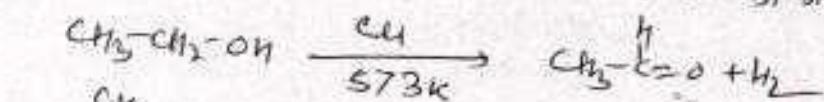
2. ઓક્સિડેશન (Oxidation) - જામણીઓનું કોરાન $\sim \text{H}_2$ કી નિષેધાત્મક હૈ। તથાં એ ડિહ્યોડ્રેશન (Dehydrogenation) માનિએ હેતું હોય કે એ નિષેધાત્મક પ્રકાર અનુભવીકરણ કી ઉપરથી ને હોય છે।



કેવળ Aldehyde પ્રાપ્ત કરતે રહેતું હૈ CrO_3 ની પ્રદીપ્તિગમન-
નલોએરોક્રોમાન (PCC) ની પ્રસ્તુત હોય છે।



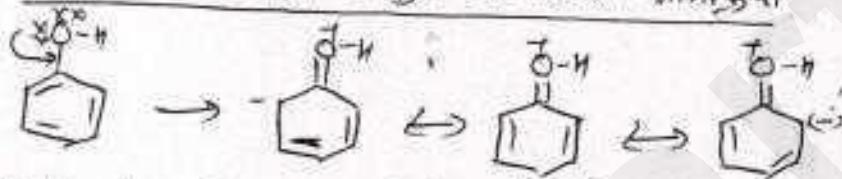
परम गैसों की अवधि में जल विभास का अनुसार निम्नलिखित है



नियोजन

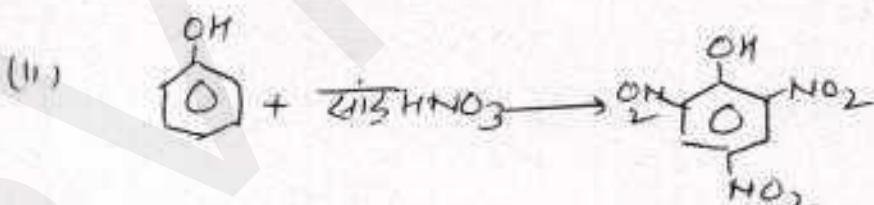
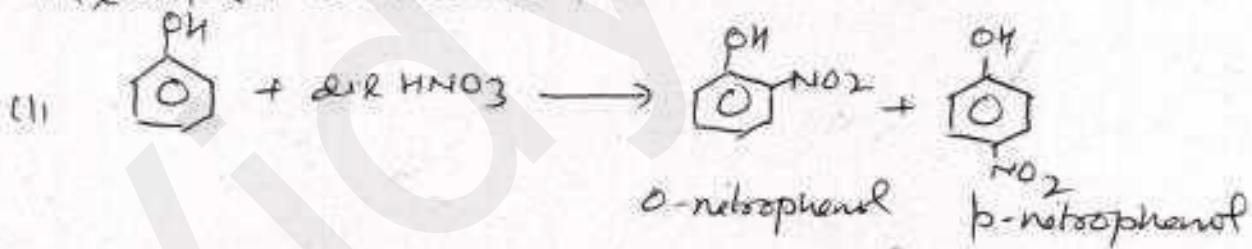
2-ऐनिल - एथे - 1-इन

फिल्म के द्वारा अपूरक विकल्प अनुदित्ति

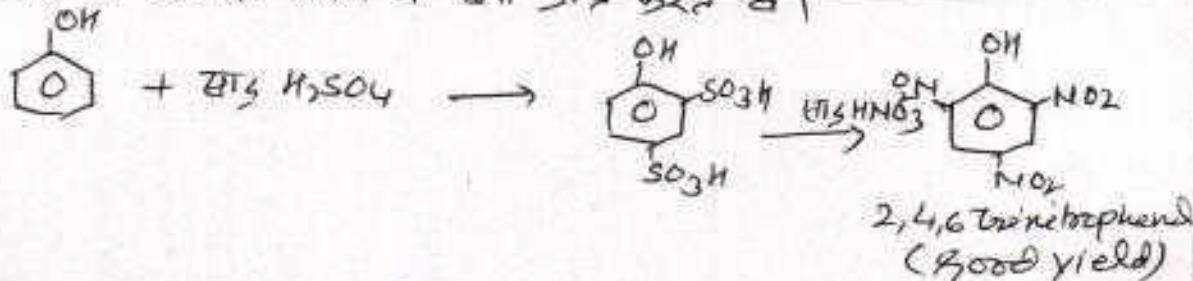


फिल्म के उपर प्रत्यावर्ती दिशायांक द्वारा दिया गया है। $\text{P}_2\text{O}_{10}\text{O}_4 + \text{H}_2\text{O} \rightarrow \text{H}_3\text{PO}_4$
एथॉन और NO_2 दोनों दिशायांक द्वारा दिया गया है। इसलिए फिल्म के प्रत्यावर्ती दिशायांक द्वारा दिया गया है।

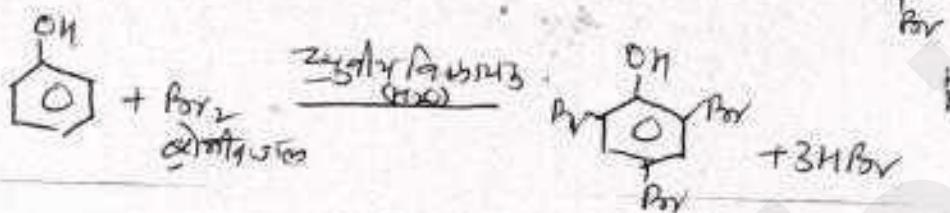
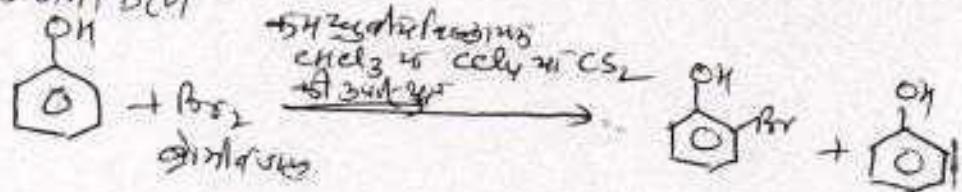
नाइट्रोजनीटर्स (Nitroalim)



2,4,6-trinitrophenol के आसानी से प्राप्त होने के कारण,
इसे नीक से उपयोग में ले प्राप्त करते हैं।



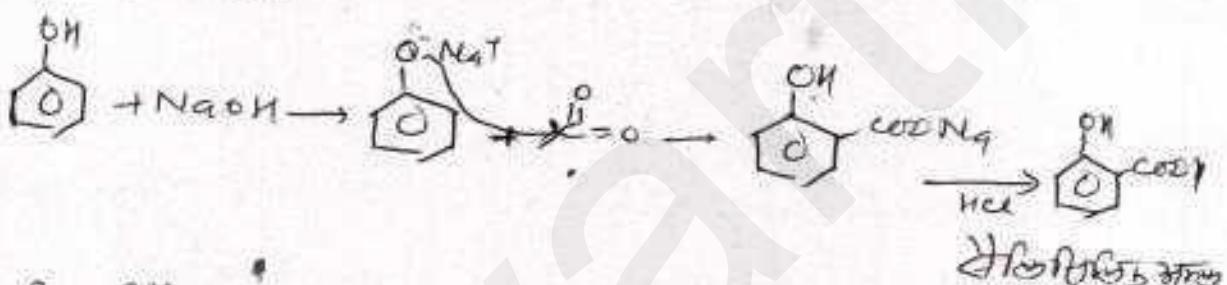
(I) क्लोरोजन एसिटेन



2,4,6-ट्रीब्रोफेनोल

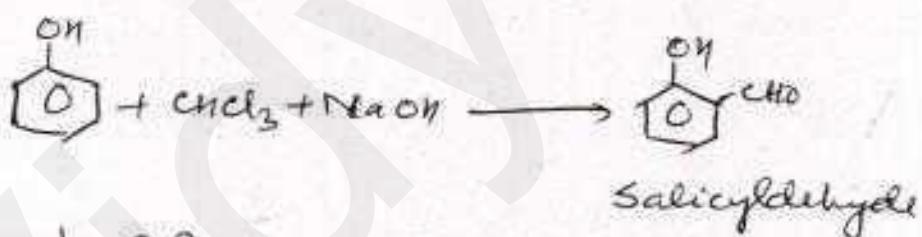
(सफेद अम्बाय)

(II) कार्बन अम्बिस

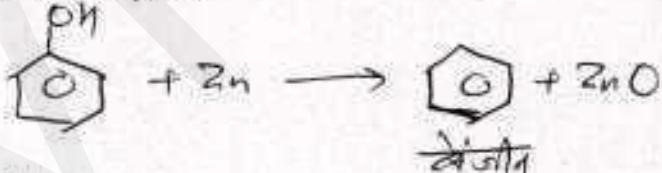


डायनिट्रो अम्ब

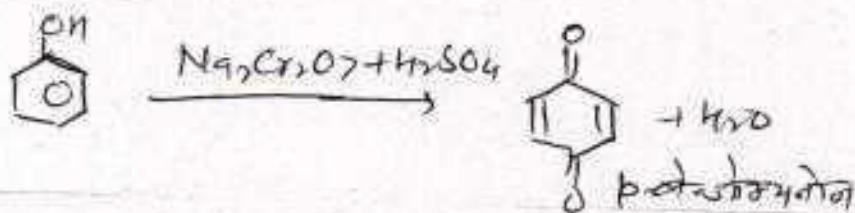
(IV) टीएस एसिट अम्बिस



(V) टिंक ए अम्बिस



(VI) ओक्सिडालिन (Oxidalin)



प्रोटोक्रेप्टोलिन

इथर (Ether)

इथर एक अंगीकृत रूप है जिसमें -O- नियमित संरचना के रूप में उपलब्ध रहता है। इसका लामात्र रूप R-O-R होता है।

आधार पर कार्डिनल
एलिफेटिक इथर - e.g. $\text{CH}_3-\text{O}-\text{CH}_3$ वि. $\text{C}_2\text{H}_5-\text{O}-\text{C}_2\text{H}_5$

ऐसोप्रैटिक इथर - e.g. $\text{CH}_3-\text{O}-\text{C}_2\text{H}_5$ वि. $\text{C}_2\text{H}_5-\text{O}-\text{C}_2\text{H}_5$

परं अर्थ $R=R \rightarrow$ सिमेट्रिक इथर (Symmetrical ether)
 $R \neq R \rightarrow$ असिमेट्रिक इथर (Asymmetrical ether)

$\text{CH}_3-\text{O}-\text{CH}_3$ - Symmetrical ether

$\text{CH}_3-\text{O}-\text{C}_2\text{H}_5$ - Unsymmetrical ether

$\text{CH}_3-\text{O}-\text{C}_2\text{H}_5$

IUPAC नामकरण : IUPAC नामकरण के अनुसार इथर को निम्नोंका एलेक्ट्रन के रूप नामकरण किया जाता है। बड़ा खांड को जल्द क्षुरू के रूप में लिया जाता है। जबकि छोटे एलिफेटिक इथर को इमरीप ऑर्ग्यूलर न के साथ लिया जाता है तभी इसे एकांकी इथर कहा जाता है।

$\text{CH}_3-\text{O}-\overset{1}{\text{CH}_2}-\overset{2}{\text{CH}_3}$ 1-methoxy ethane

$\text{CH}_3-\text{O}-\text{CH}_2-\text{CH}_2-\text{CH}_3$ 1-methoxy propane

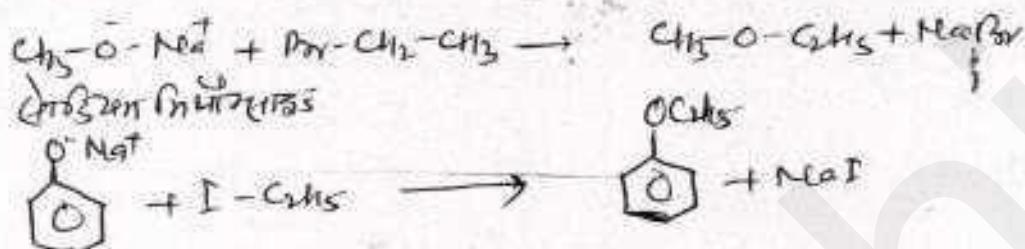
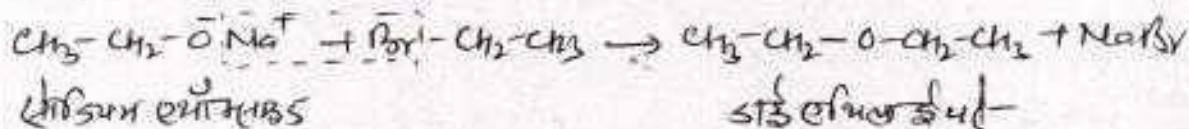
$\text{CH}_3-\text{CH}_2-\text{O}-\text{C}_6\text{H}_5$ Ethoxy Benzene

$\text{CH}_3-\text{CH}_2-\text{O}-\overset{2}{\underset{1}{\text{CH}_2}}-\overset{3}{\text{CH}_2}-\overset{4}{\text{CH}_3}$ 2-ethoxy butane

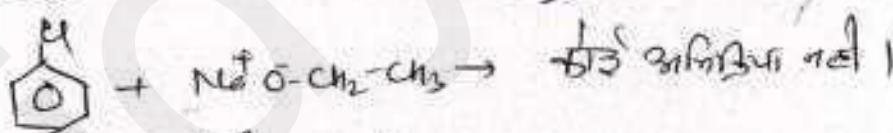
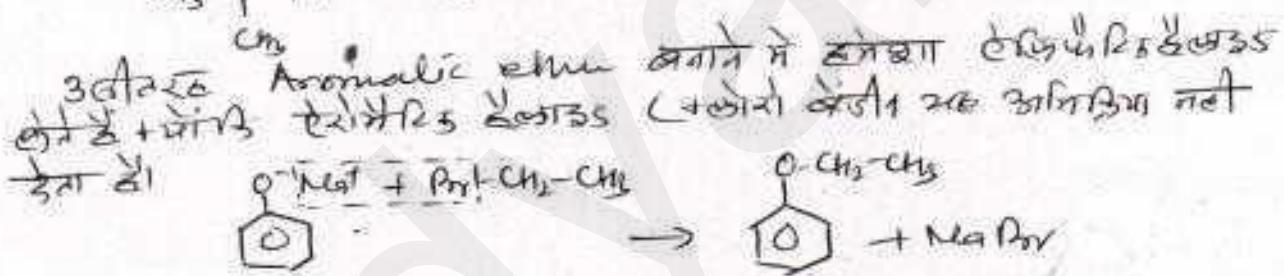
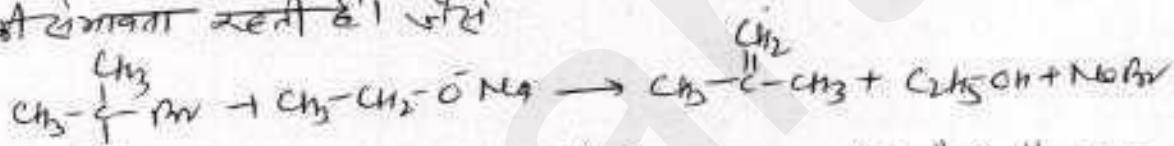


कार्बन यौगिक की सामान्य विधियाँ

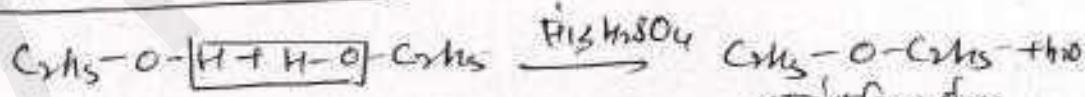
1. एसिटल त्रैत्यरूप है



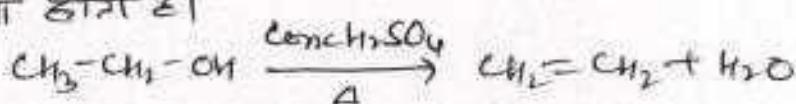
लिखा : Unsymmetrical ether जगते के लिए ऐसिक्स त्रैत्यरूप
जोड़ा आयिक्स ठोग चाहिए। दिलचक रखा तृतीय त्रैत्यरूप है त्रैत्यरूप
जगते की विशेषता ठोग है। अब



2. एसिटल के गुणोंकी विवरण है



लिखा : एसिटल अविवाय होता है और अम्ल अवस्था
जगते की विशेषता ठोग है।



गुण (Properties)

गोत्रिक्स गुण (Physical Properties)

=> गोत्रिक्स अवस्था :- कम अविवाय वाले एसिटल ($\text{CH}_3-\text{O}-\text{CH}_3, \text{CH}_3-\text{O}-\text{C}_2\text{H}_5$)
जैसा, $\text{C}_2\text{H}_5-\text{O}-\text{C}_2\text{H}_5$ - उच्च

=> दिलचुर धावुकी (Dipole moment) :- पानी की तरफ मुड़ा (Bent)
उत्तरवाला रखता है।

C-O-C के बीच का गोला (Angle) परीक्षा के अनुद्वान को महसूस करते हैं + पोर्टिंग अवृंदावन H (ट्रांस्फ्रॉजन) की ओर आये CH_3 द्वारा दोनों ओर आकर्षण में बढ़ा होता है जिससे दो CH_3 समूहों के बीच प्रतिक्रिया का कार्य उत्तराधीन होता है। इसीलिए अंतर्भूतिक विपरीत विपरीत होता है।

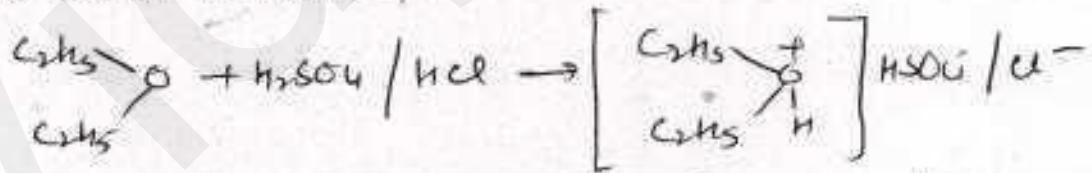
\Rightarrow इसके फलस्वरूप (Electron-donating) केमिस्ट्री में अन्यरुपी कार्य के कारण इसमें असुरक्षा का पार्श्व जाता है। यानि इसके सभी अवरोधों H-बोन्ड के नवीन पार्श्व जाता है। इसपर इसका विपरीत एकलकार होता है।

\Rightarrow विक्रिया - पार्श्व के इसी विक्रिया के द्वारा एकलकार के विपरीत अल्प पार्श्व के अनुकूल साथ H-बोन्ड का बनाता है।

रासायनिक प्रक्रिया

1.1 ऑक्सोक्सिप्रसारण का विवरण

इसके ऑक्सीजन पर एकल इलेक्ट्रॉन प्रमुख (lone pair electron) द्वारा कारण ऑक्सीकरण अवश्यक है औ इसका लक्षण जाता है।

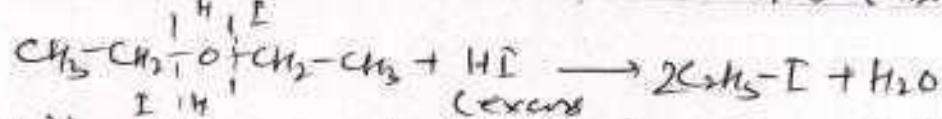


इसका उत्तराधीन अंतर्भूतिक विपरीत विपरीत है।

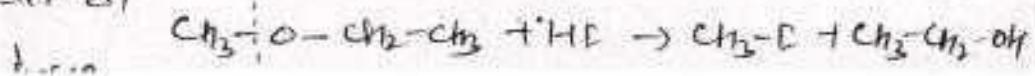
इस उत्तराधीन के अंतर्भूतिक विपरीत विपरीत है।

2. ड्रॉक्टोफार आपोइड्स के अधिकारी

इसके लिए विपरीत अंतर्भूतिक विपरीत होता है। इसमें C-O के बीच विपरीत विपरीत विपरीत विपरीत होता है।

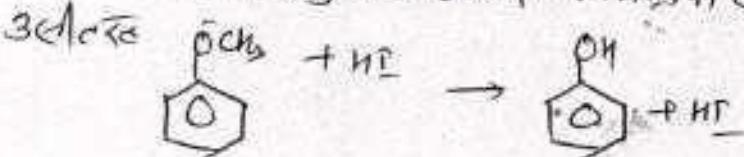


असंविचित विपरीत में, ड्रॉक्टोफार का कार्य वाला आपोइड्स प्राप्त होता है। ड्रॉक्टोफार Nucleophile का कार्य विपरीत विपरीत है। Attack करने में आवश्यक होता है।



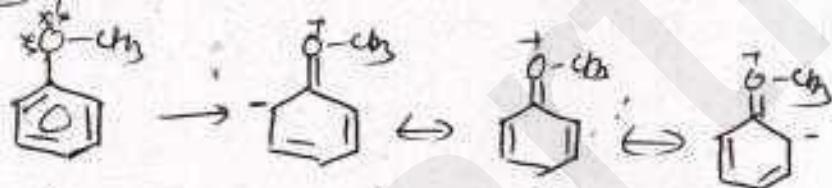


मैट्रिक्स प्रतिक्रिया (SN2) के लिए

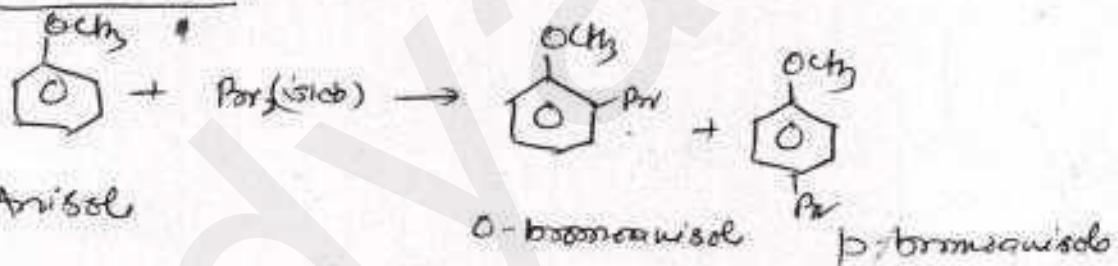


(iii) केंद्रीय रुप वाले संकेतक अभिक्रिया

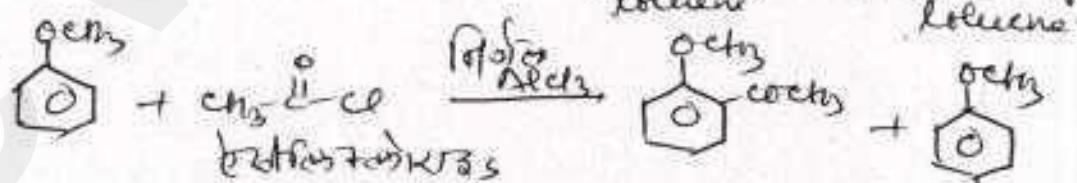
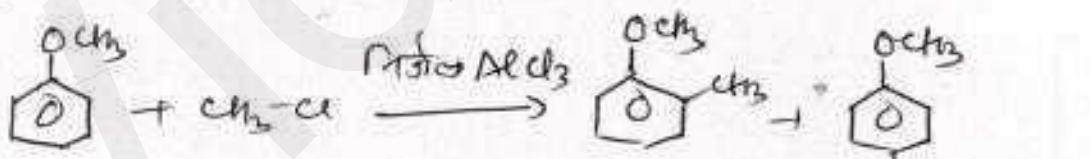
ग्राम्पर्सी द्वारा O-एवं p-directing सहज बोताही रखा गया उत्तर कारण इसके पासक जामो(o) वा p(प्रैर) एमोनिया आकर्षण बनता है।



(i) केंद्रीय रुप



(ii) केंद्रीय कार्बन अभिक्रिया



(iii) न्यूट्रिट्रिवल रुप (Neutral form)

